



वन उत्पादकता संस्थान, रांची



भारत का अमृत महोत्सव

“स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका ”

विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक : 12.08.2021

भारतीय आजादी को स्मरण करते हुए आजाद भारत के 75वीं वर्ष गांठ के अवसर पर सतत विकास की उपलब्धी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा आहूत तथा भारत सरकार एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के निर्देशानुसार वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा “भारत का अमृत महोत्सव” कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 12.08.2021 को आभासीय मंच से Dr. Satish Chandra, Principal Advisor, Centre for Social Sector Development, Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis, Bhopal, M.P. द्वारा “स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका” विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 46 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

निदेशक द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात “आजादी के अमृत महोत्सव” के तहत “स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका” कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि आजादी की यादें और विकास के क्षेत्र में आजाद भारत की स्थितियों का आकलन करते हुए भविष्य की योजना से देशवासियों को अवगत कराने का अवसर भी प्राप्त कर रहे हैं। संस्थान का प्रयास है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से वानिकी अनुसंधान के क्षेत्र में लोग लाभांवित हो एवं क्षेत्र की समस्या से अनुसंधानकर्मी आगे की योजना बनायेंगे।

सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिए प्रमुख सलाहकार केंद्र अटल बिहारी वाजपेयी, जबलपुर मध्यप्रदेश के डा. सतीश चंद्रा ने अकाष्ठ वनोत्पाद के माध्यम से ग्रामीण जीविकोपार्जन में सुधार पर विस्तार से व्याख्यान दिया। इन्होंने लघु आकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि सरकार भी इस दिशा में काफी गम्भीर है एवं अनेक योजनाओं को क्रियांवित कर रही है। लघु वनोपज के प्रति लोगों को जागरुक किया जा सकता है। समाज के लिए वानिकी की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में लगभग 1500 योजनायें है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को रेडियो से जोडा जाए तो बहुत बड़ा योगदान होगा तथा प्रत्येक वनोत्पाद को महत्व, बाजार,मूल्य,उपयोग आदि को डिजिटल माध्यम से प्रचारित प्रसारित किया जाना चाहिये। इन्होंने Covid-19 की रोकथाम में वनोत्पाद के योगदान की भी चर्चा की तथा बताया कि यदि सारे वनोत्पाद का संग्रहण एवं मार्केटींग किया जाये तो इस व्यवसाय से जुडे 12 करोड आदिवासी समाज तथा 10 करोड लोगों का कल्याण हो सकता है। इन्होंने कहा कि भारत के पूर्वी एवं मध्य क्षेत्रों के राज्यों में NTFP का अकूत भंडार है एवं आयुष सम्बंधी विकास में अपार सम्भावनायें हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के कई शंकाओं का उन्होंने सरलता से समाधान किया। संस्थान के निदेशक ने वनोत्पाद की सम्भावनायें एवं उसके विस्तार में डा. चंद्रा को सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आपके सहयोग से संस्थान बहुत आगे बढ सकता है।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर,वैज्ञानिक-सी द्वारा किया गया एवं संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा ने मुख्य अतिथि एवं अन्य को धन्यवाद किया तथा कार्यक्रम समापन की घोषणा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विस्तार प्रभाग, सूचना तकनीकी प्रभाग तथा सम्पदा प्रभाग का सराहनीय योगदान रहा।



भारत का अमृत महोत्सव 12.08.2021

आभासीय मंच द्वारा



विषय: "स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन"



<https://directorifranchi.my.webex.com/directorifranchi.my/j.php?MTID=md2bc959203f781c6a2a3f860fe5356a9>

समय	कार्यक्रम	प्रस्तुतकर्ता
10.00 -10.10 AM	कार्यक्रम संचालन	श्रीमती आर.एस.कुजुर, वैज्ञानिक- सी व.उ.स., रांची
10.10 -10:35AM	कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय	डा. नितिन कुलकर्णी, निदेशक व.उ.स., रांची
10.35- 10.50AM	कार्यक्रम का उद्घाटन	Shri Arun Singh Rawat DG ICFRE, Dehradun
10.50-11.50AM	"स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात वनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में वानिकी की भूमिका विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन"	Dr. Satish Chandra, Principal Advisor Centre for Social Sector Development, Atal Bihari Vajpayee Institute of Good Governance and Policy Analysis, Bhopal, M.P
11.50 -12.00 PM	चर्चा	
12.00 -12.05 PM	धन्यवाद ज्ञापन	डा. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-जी स.स.अ., व.उ.स., रांची

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)

(वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त तिकाय)

एन,एच.-23, गुमला रोड, लालगुटवा, रांची- 835303 (झारखण्ड)

Bharat Ka Amrit Mahotsav
Date: 12.08.2021

स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात बनोत्पाद द्वारा ग्रामीण जीविकोपार्जन में बानिकी की भूमिका विषय पर वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION
N.W.29, Gumla Road-RANCHI

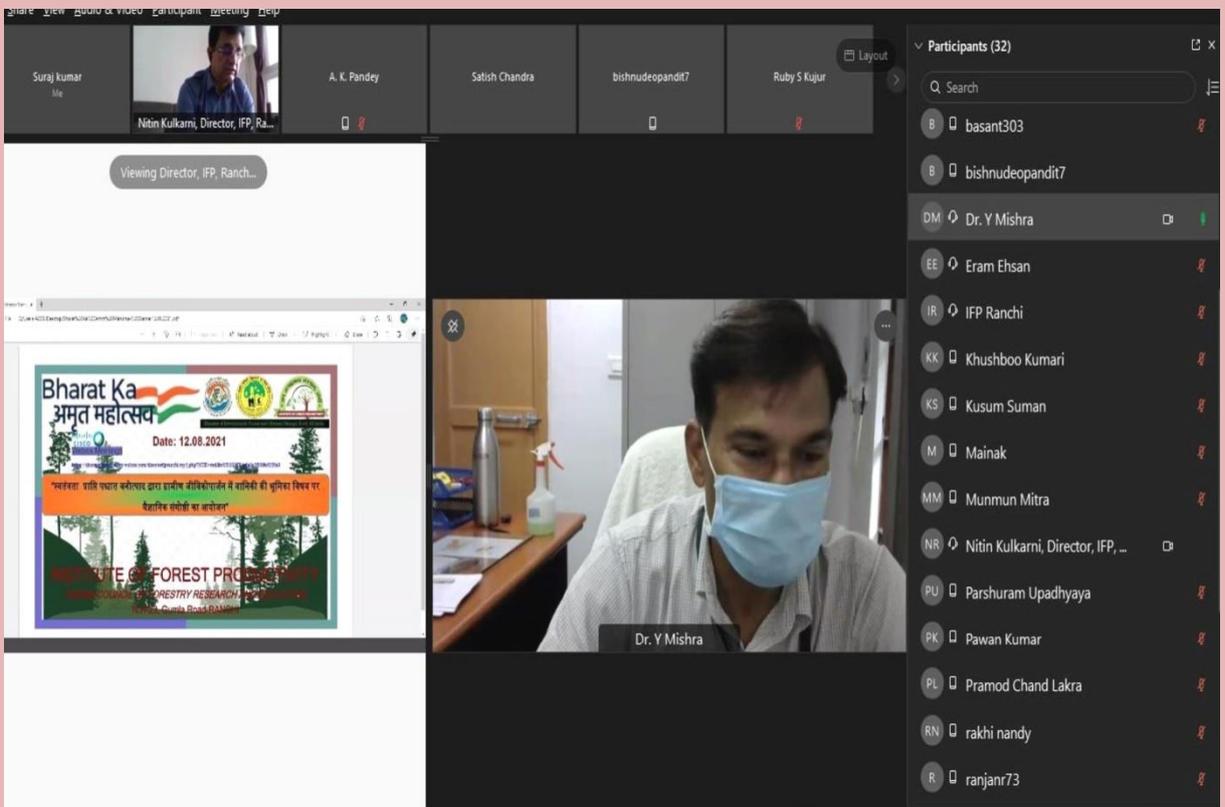
Participants: Suraj kumar, Satish Chandra, Mainak, Ruby S Kujur, IFP Ranchi

Bharat Ka Amrit Mahotsav

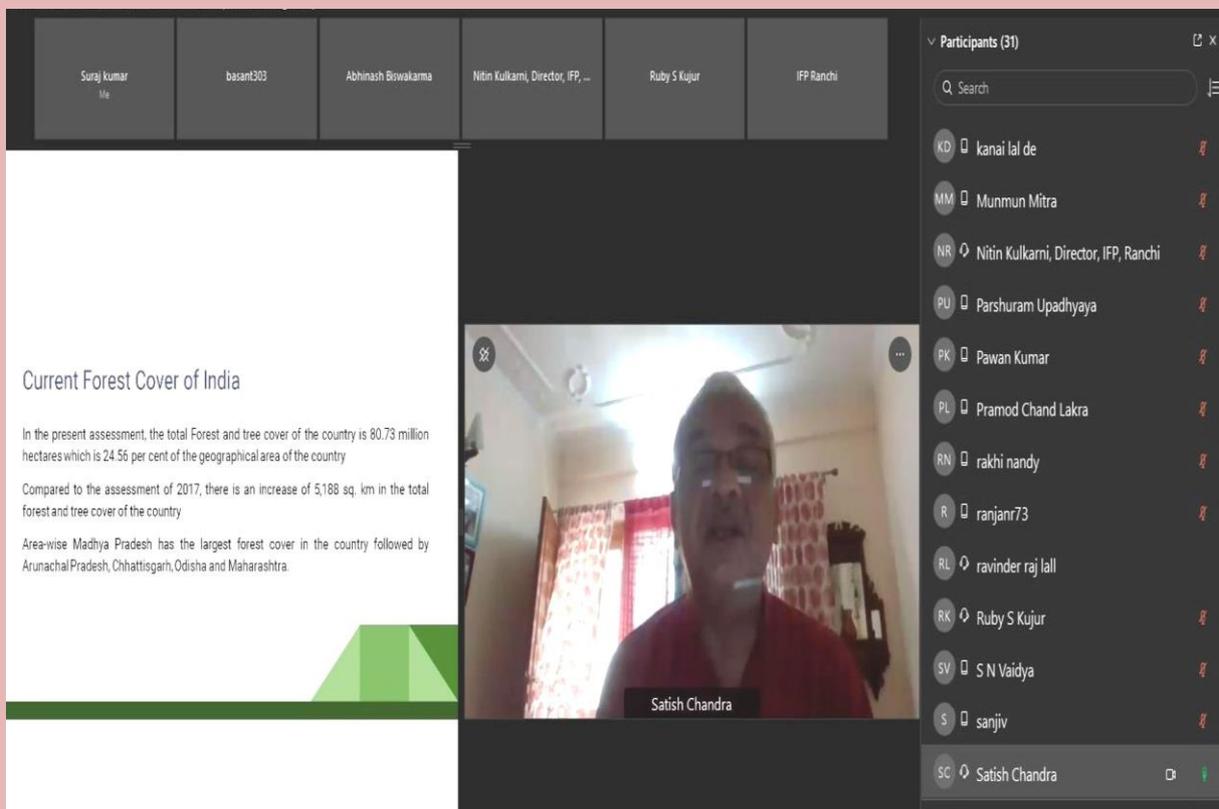
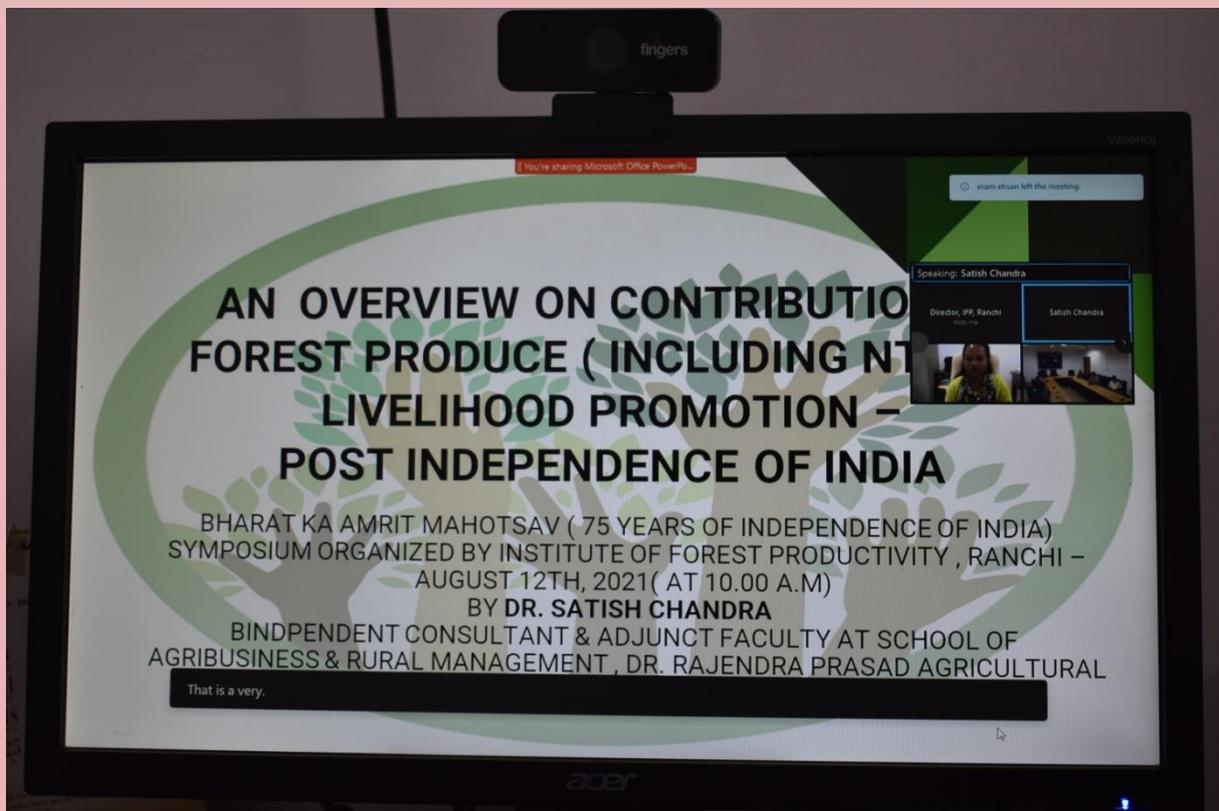
Nitin Kulkarni, Director, IFP, Ranchi

Participants: Suraj kumar, Satish Chandra, Mainak, A. K. Pandey, Ruby S Kujur, IFP Ranchi

संस्थान के निदेशक द्वारा अमृत महोत्सव कार्यक्रम पर सम्बोधन



अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां



अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर डा. सतीश चंद्रा द्वारा व्याख्यान प्रस्तुति

Suraj kumar Me Satish Chandra A. K. Pandey Ruby S Kujur IFF Ranchi

Viewing Director, IFP, Ranchi...

Threats and Challenges

- High exploitation and poor regeneration
- Inadequate NTFP baseline data and mapping, unclear demand supply scenario
- Poor attention to NTFP conservation
- Absence of sustainable harvesting protocols
- Unorganized sector
- Policy-level inconsistencies
- Inadequate infrastructure, and post-harvesting facilities/skills
- Volatile market

Participants (37)

Search: Suraj kumar (me)

- Suraj kumar Me
- Director, IFP, Ranchi Host
- A. K. Pandey
- amarjeet minz
- AMIT SAHA
- Animesh Sinha
- anirban roy
- Anshuman Das, IFP
- Arvind Kumar
- Atanu Sarkar
- basant303
- bishnudeopandit7
- Chandan Roy
- Dr. Y Mishra
- Eram Ehsan



अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां



अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां



अमृत महोत्सव कार्यक्रम की झलकियां